शिक्षक - रविशंकर राय, विषय - अर्थशास्त्र
दिनांक - 24-11-2020, कक्षा - BA-III

मौरिस डॉब के अनुसार, "समाजवादी समाज के प्रति लेनिन का दृष्टिकोण तथा 1921 में संक्रमणकालीन अर्थव्यवस्था की कष्टदायी समस्याओं के प्रति उसकी धारणा उचित यथार्थवाद से निर्मित हुई थी। उसकी धारणा मार्क्स के इस कथन के अनुरूप थी कि न्याय के सिद्धान्त तत्कालीन आर्थिक दशाओं से ऊपर नहीं उठ सकते हैं।

नवीन आर्थिक नीति की उपलब्धियाँ — मार्च 1921 में अपनाई गई नवीन आर्थिक नीति का सोवियत रूस की अर्थव्यवस्था पर अत्यधिक अनुकूल प्रभाव पड़ा। नवीन आर्थिक नीति की प्रमुख उपलब्धियाँ निम्न प्रकार गिनाई जा सकती हैं —

(1) प्रतिव्यक्ति आय - प्रतिव्यक्ति औसत आय, जो 1913 में 101 रूबल से घटकर 1921 में केवल 39 रूबल रह गई थी। 1925 में बढ़कर 100 रूबल हो गई अर्थात चार वर्षों में 150 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई।

(2) कृषि - नवीन आर्थिक नीति के अन्तर्गत खाद्य-फसलों (गेहूँ, जौ और मकई) के उत्पादन

में तो अधिक वृद्धि नहीं हो पाई, किन्तु व्यापारिक फसलों (कपास, तम्बाकू, चुकन्दर और सनई) के उत्पादन में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई। खाद्य फसलों का उत्पादन 1913 के स्तर से नीचा रहा है। पशु-पालन के क्षेत्र में विशेष प्रगति हुई। गृह-युद्ध के समय पशुधन का बड़े पैमाने पर विनाश हुआ था। 1927 तक पशुधन युद्ध-पूर्व स्थिति में पहुँच गया। कृषि क्षेत्र की अपर्याप्त प्रगति के फलस्वरूप इस अवधि में औद्योगिक श्रमिकों की अपेक्षा कृषि-श्रमिकों को कम लाभ पहुँचा। 1913 में कृषि-श्रमिक की वार्षिक आय औद्योगिक श्रमिक की वार्षिक आय की 35% थी। 1927 में कृषि-श्रमिक की वार्षिक आय घटकर औद्योगिक श्रमिक की वार्षिक आय की मात्र 25 प्रतिशत रह गई।

(3) विदेशी व्यापार — नवीन आर्थिक नीति के अन्तर्गत रूस के आयात-निर्यात व्यापार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। उसका निर्यात-मूल्य 1921 में 203 लाख रूबल से बढ़कर 1929 में 7094 लाख रूबल हो गया। 1923 तक रूस का आयात-व्यापार बढ़कर

युद्ध स्तर का 85 प्रतिशत हो गया था। 1926 तक वह युद्ध-पूर्व स्थिति में पहुंच गया।

(4) उद्योग — नवीन आर्थिक नीति के अन्तर्गत औद्योगिक उत्पादन में पर्याप्त वृद्धि हुई है। पूंजीगत-वस्तु उद्योगों का उत्पादन-मूल्य 1913 में 4290 मिलियन रूबल से घटकर 1921 में केवल 814 मिलियन रूबल रह गया था। 1927 तक यह बढ़कर 5372 मिलियन रूबल हो गया। दूसरी ओर उपभोक्ता-वस्तु उद्योगों का उत्पादन-मूल्य 1913 में 5961 मिलियन रूबल से घटकर 1921 में केवल 1111 मिलियन रूबल रह गया था, 1927 तक बढ़कर 6679 मिलियन रूबल हो गया। 1924 में कुल औद्योगिक उत्पादन 1927 मिलियन रूबल का था जो 1927 में बढ़कर 2054 मिलियन रूबल का हो गया।

(5) परिवहन — नवीन आर्थिक नीति से रूस को सर्वाधिक लाभ परिवहन और संचार के क्षेत्र में हुआ। गृह-युद्ध के समय 3600 रेल के कुल 1200 मील-लम्बी रेल की पटरियां 850 इंजिन डिपो और

रेलवे पर्यवेक्षण तथा 50 हजार मील लम्बी तार एवं टेलीफोन की लाइनें नष्ट हो गई थी। नवीन आर्थिक नीति के अन्तर्गत न केवल इस क्षति की पूर्ति हुई, अपितु नया निर्माण कार्य भी हाथ में लिया गया। परिणामतः 1928 तक रेलों की लम्बाई बढ़कर ~~किलोमीटर थी~~ 75800 किलोमीटर हो गई, जबकि 1913 में रेलों की कुल लम्बाई 58549 किलोमीटर थी। 1913 में केवल 11235 स्थानों पर ही नियमित रूप से डाक जाती थी। 1927 में ऐसे स्थानों की संख्या 24000 हो गई।